-55- Date of Regd. 31/1/1937

Rs 200/-

रुपया दो रुपया

नं० १ नामोसकीर :, मो० खुबसुरत कुंवर ओजे मेहरबान महतो महतो मोतवफ्फा जात कुर्मि अवधिया पेशा काश्तकारी साकिन मौजा जलालपुर प्रगना फुलवारी थाना दानापुर जिला पटना

नं० २ नामोसकीरअलेह :, बाबू राम दास वल्द बाबू गोपीचन्द वैकुन्ठवांस जात गोआला पेशा काश्तकारी साकिन नयाटोला प्रगना फुलवारी थाना दानापुर जिला पटना

नं० ३ किस्मि बरीयात :, बयलाकलामी

नं० ४ तायेदाद जर समत :, मोबलिग २०० दो सौ रुपया

नं० ५ तफसील :, कुल अराजी काश्तकारी १ ए० ३९ एक सयमोवईया एकड़ उन्नचालिस डिसमील एकीमत काश्त रैयती कायमी नकदी वाके मौजा जलालपुर प्रगना फुलवारी जिला पटना थाना दानापुर जिला पटना नं० ५५१९ तौजी खाता ८४ थाना नं० २२ खसरा नं० ४० मालगुजारी सालाना मै सेस १७।।०

सयदए०अं०

खसरा नं० ए० डी० कुचर दक्खन पुरब पश्चिम

मिनजुमले ४३ डि० ० ४३ बकोश्तखरीदार मगरगोप गनेशवनोया रामचनी

के १८ डि० जानोब उत्तर गोप

० ५८ ९७ बाधं हरीहरमहतो आहर जगदेव महतो

नं० इमरीत महतो ससुर मनमी कीर बगुजास्त

बगुजारत मेहरबान महतो पेसर वारीश जायेज के इन्तकाल पे और मेहरबान महतो सौहर मनमोकीर कवल सरवे बगुजारत मो० धनदेइया जौजे मनमोकीर के इन्तकाल किया वो कुल जायेदाद पर वैहसियत वारीश जायेज वाकीज़ वो दखील मोतसरीफ हुई के वादहु मोसम्मत दधेश साथ मनमोकीरा इन्तेकाल कर गई अनेर मनमोकीरा कुल जायेदाद पर मेहरवान ७बंड महतो के वसीयत वारीश जायेज के वाकीज़ोल हुआ ओह मै और सरदस्त मनमोकीर को जरुरत रुपये की वास्ते अदाये मालगुजारी जमींदारी वो खर्च वह खानेदारी मौरुस बहुत जरुर है और वौर इन्तकाल जायेदाद के सामान ए०वये०वह होना रुपये का दुसवार है । इस व जुह कर राजी खाने नं० ५ वसीका हाज़ा को जिसको पूरी सराये खाने नं० ५ में दर्ज है जो हर तरह से वार वेकवालत वो नुकस हकीयत से पाक वोसाफ है इसको वदुरुस्तगी होश वो हवास वेला जब्र वो दवाव वो वहकाव वौरह किसी दूसरे के व नेज़ नियती तमाम वो कमाल मो० २०० दो सो रुपया मुन्दरजे खाने नं० ४ वदस्त खावू खरीदार वटेबुफ अलेह के बेचा वो वयलाकलामी किया , और कुल जर समन नकद एक मुश्त व वख्त तकाजुवदलेन वसीका हाज़ा खरीदार वसूल पाया और कार मोतजीकरे सदर में खर्च किया व वसूल तमाम वो कमाल कुल जर समन के उपर सय मोवईया वो काबीज़ दखील वो मालिक मुस्तकील गरदाना और जो कुछ हक वो हकुक वो दसतहकाक सयमोवईया हाज़ा में हासील था वह कुल हक वो हकुक वजीन सही वो वेला तफ्तरका आज के ए०वज रोज से वल अदम हो कर खरीदार वो

:३:

वो वारसानकायम मोकामीयान को हासी हुआ अब या आइन्दे मनमोकोर और वारसान कायम मोकामीयान मनमोकीरा को बनप्रस्वत वसूली जर समन या बनप्रस्वत सय सावदया कुल दावा को यमतालवा वो मोतालवा साथ खरीदार या वारसान कायम मोकामीयान उनके वाकी नहीं है और न था० रहा और न होगा । व चाहीद से खरीदार मजकुर नाम अपना वसीरीसता जमींदार दर्ज करा लेवें ,आश वाद तहरीर वेमा तसलीम वसीका हाजा किसी किसीम का हुज्ज देन पाया जाये या जुज या कुल सय ०००००० मोवईसा कब्ज वो दखल से खरीदार के नोकल जाये उस वख्त खरीदार वो वारसान कायम मोकामीयान खरीदार को अख्तीआर हासील है और होगा कि कुल या जुज जर समन मय सूद दो रुपया सेकड़ा महीना लगाकर मन मोकीरा के जायेदाद मनकुला वो गैर मनकुला से वसूल कर लें ,उस वख्त मनमोकीरा वो वारसान कायम मोकामीयान मनमोकीरा को हु उजूर नहीं होगा ,इस वास्ते या केवाला वयलाकला मी लिख दिया के वख्त पर काम खावे ।। फक्त

तहरीरी तारीख ३१ माह जनवरी सन १९३७ ई०

पेज नं० १ के मारजीन में .

मो० खुवसुरत कुवंर वयलाकला मी लिखा सो सही वो दुरुवत है मजमुन पढ़वा कर सुन ०००००० समझ लिया वा० मिश्ररी सिंह

सही मिश्ररी सिंह मोकीरान नीसानमेरे सामने कल छुकर वनाया वा०

खास ता० १९ ,३ ,३७ .

वक्षे ग० हीरा लाल राय सगुना नयाटोला

ग० रामप्रसाद राय , सगुना नयाटोला , मथुरा प्रसाद वक्ष० मार्सल वाजार दानापुर

कातीव , वसीका हाजा नन्दु लाल सा० सुलतानपुर दानापुर ,

बुक नं० १

मौलूम नं० ३०

पे जू नं० २८० से २८२

बिगं नं० ५८०

(सन् १९३७)

स्टाम्प डिक्री नं० २८९८ २ रुपया ८ आना

Date of Registration 15-1-1947

Rs. 3.00

१. नाम मोकिर:, राम खेलावन गोप वल्द रामचरित्र गोप मौजा फतेहपुर जात यादव पेशा काश्तकारी साकिन सरुना मरजाना फुलवारी थाना दानापुर जिला पटना ।

२. नाम मोकिर अलेह:, रामदास वल्द गोपीचन्द बेकुण्ठलाल जात यादव पेशा काश्तकारी साकिन सरुना तथा मौजा मरजाना फुलवारी थाना दानापुर जिला पटना ।

३. किसीम वसीका:, फैसला बए लाकलामी ।

४. तायदाद जर समन:, मोबलिग १३०० तेरह सौ रुपया के आना मो० ६५० छः सौ पचास रुपया है ।

५. तायदाद व तफसील:, मौसलम मौल्लिग सवाजी एकासी ८१ डिसमील सब मौजह्या:, एराजी हकियत काश्त रैयती तायमी वरेगा नवकी वगै चाके मौजा जगालपुर मरजाना फुलवारी थाना नं० सब रजिष्ट्री दानापुर सदर रजिष्ट्री नं० जिला पटना तौजी नम्बर ५५१९ थाना नम्बर २२ खाता न०९९ सर्वे नम्बर ३९ मौसलम मौल्लिग सवाजी ८१ डि० मालगुजारी मे शेष मोबलिग १३१।० एक सौ साढ़े तेरह रुपया मालिक दृजनन्दन सिंह सा० मजकुर जगालपुर डाकखाना फुलवारी ।

उत्तर:, रामचरन महतो वगैरा सामनात रामायण गोप ।

दक्षिन:, मंगर गोप वगैरा दुखलाल गोप ।

पुरब:, मोकिर अलेह, खरीदार मजकुर ।

पश्चिम:, पुरुषवर गोप वगैरा जगदीश्वर सिंह ।

:२:

मजमुन इबारत नीचा मुताबा

मैं सय मौवइया यजरीए सतरुआ पेहरी अपने खास मसलुआ व मक्बुजा मौकिर है सफर तरह से वा रजेन वो तकरार व नुकरर शकियत व जा रके फालत है वोरह से बिलकुल पाक वो साफ होकर बेला किसी दूसरे सरीक सगफा के कब्जा वो दखल में मौकिर है चली आती है। एलहाल वगरज बनाने मकान मसुनत व अदाय देन दुकानदारा मौकिर मौरूपया का सरब जरुरत है। और खेत बेचे हुए रुपया का सामान होना और बदबदीए जरुरीआत का रफा होना गैर मुमकीन है। इसलिये मौकिर ने खेत बेचने का एक आम एलान हर जा किया। चुनान्चे खेत के बिकने की खबर बाबू रामदास जी को भी बखूबी मिला। और वह सभों से ज्यादे कीमत देने पर व खेत खरीदने पर राजी हो आमादे हो गए व कुल बातें निश्चत खरीद व फरोखत बदरमियान करीबन तय पा गई। लीजावीर किता वसीका केवाला बए लाअलाजे हदूद व बनाम रामदास जी खरीदार मजकुर मौकिर रजिष्ट्री से तहरीर व तासील कर देना बखुत जरुर हुआ। बस मौकिर ने बहालत सेहत जात व सबात नक्ल व खुद व मदुखदतारि होस व हवास खुद बखुस रजाय व रगबत खुद व बेला जबर व खोफ व बहकाने व फुसलाने व गैरजायज किसी दूसरे के व अपने हर एक नेक व बद को बखुबी समझ के बुझ कर व बकीदाखान व मसरहान कानुनी से राय व मसवरा आजादना देकर मौसलम मौकिर्दगा मुसम्मी ८१ डिसमील जाइद को बकिमूल या जीब हसेब मोकेदग

Rai Chandra Sahay Pleader Dist Gaya 15.1.47

(31)

मौजालिग १३०० तेरह सौरुपया बदस्त रामदास खरीदार मजकुर बेचना
व कबलानामी ७०० वेला शर्त फरीख खेयार किया व तुल रामदया
मजकुर इस मुस्त वक्त सरकार तमौकाबले सब रजिष्ट्रिगर दानापुर वसुल
पाकर वकलज व ससरुफ व तेल खुद व कर लाया। पस बवसुल तमाम
बकमाल कुल जरे समन व बतसलीम बसीका केवला ता० राजा खरीदार मजकुर
को उपर सय मौजइया केवजार खुद अज तारीख इमरोज का बिज दखिल
व मालिक मुसतकील गरदाना चाहिए के खरीदारमजकुर सरा मौजइया पर
काबिज व दखील व मालिक मुसतकील होकर व ठरह कर नाम अपना व
एखराज नाम मौकिर या सेदर मौकिर ७४९०७८ व शीरीस्ते जमीदारी
दर्ज करा लेवेगे। कोइ उजूर व एतराज मौकिर या वारसान कायम
मोकासीयान मौकिर को ना होगा। बलके मोजो हकुक मौकिर को
इस खेत मौजइया मे इस वक्त तक हासील होते चले आए हैं या जो जो
आइन्दा हासील होतेरहे वह कुल हकुक वजीतसाम व केला तमतरका
आज के तारीख से बजरीए केवाला हाजा मौकिर से खारिज व अलयहदा
व जायल होकर खरीदार मजकुर को हासील हो गए। अब कोइ आइन्दा
मौकिर या वारसान कायम मोकासीयान मौकिर का कोइ हवाल बाकी
व मोतालबा व मोवाखजा किसी तरह का साथ खरीदार या वारसान
कायम मोकासीयान खरीदारमजकुर के बाकी ना रहा। व न होगा।
बमसुरत मेकअली खाह मजुर कुदाती हुकुस हकियत वगैरह के खरीदार व
वारसान कायम मोकासीयान मौकिर अलेह खरीदार मुसत को होगे अपने
कुल जरे समन मे खेसारा व जाबान व सुद मतैर बरह कानुन लगा कर
जात व माल कर इस शाम से मौकिर व वारसान कायम मोकासान

Witness — Hem Narayan Lal Son of Sriram Nayak Resident of Dinapore 15/1/45

सतेवीसतालमे

:४:

मोकामागत मतेरिक्त से लोगे कोई जरूर व एतराज किसी तरह का लोगा
इसलिये यह फैसला बह लाकलामी लिख दिया के वक्त पर काम आवे।
न लगि हुई फरीक मोकिर का है।

सही रामखेलावन गोप बा०खास.

आज तारीख १४ चौदह माह जनवरी सन १९४७ ई०.

कातिब:, कातिब वक्षीका काजा सैयद माजीद हुसेन सा० खान शेरपुर मजहुन
पढ़ कर मोकिर को सुना समझा दिया है।

साक्षी:, रामखेलावन गभे बह लिखा सौसकी कागज, कातिब से पढ़ा कर
सुन समझ लिया बा०खास तारीख १४.१.४७.

सही देवनारायण लाल सुलतानपुर धनगपुर बा०खास तारीख १४.१.४७.

सही रामखेलावन गभे बा०खास.

गवाह:, रामचन्दर सिंह सुलतानपुर धनपुरापुर ता० १४.१.४७.

गवाह:, मनोहर राय सधुना नया टोला धनापुर.

पीठ पर वाला.

सही रामखेलावन गोप बा०खास तारीख १५.१.४७.

सही रामखेलावन गोप बा०खासतठ १५.१.४७.

सही रघुनाथ गोप बा०खास तारीख १५.१.४७.

Book no. I
Volume no. 10
Pages 298 to 301
Being no. 268
For the year 1947